



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 216] नई दिल्ली, बुधवार, जून 23, 1993/आषाढ़ 2, 1915
No. 216] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 23, 1993/ASADHA 2, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय
(नागर विमानन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जून, 1993

सांका०नि० 475(अ) :—वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए
कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जो केन्द्रीय सरकार का वायुयान अधिनियम, 1934
(1934 का 22) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए करने का प्रस्ताव
है, उक्त अधिनियम की धारा 14 द्वारा अपेक्षित रूप में ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी

के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके बारे में उससे प्रभावित होने की संभावना है और यह सूचना दी जाती है कि प्रारूप नियमों पर, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना के प्रकाशन से युक्त राजपत्र प्रतियां जनता को उपलब्ध होंगी, तीन मास की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा,

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के बारे में किसी व्यक्ति से प्राप्त कोई आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप

नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (————संशोधन) नियम 1993 है,

(2) ये राजपत्र में अन्तिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 में,—

(1) नियम (1) में,—

(क) उपनियम (2) में,—

(i) खंड (क) में, उपनियम (4) के अधीन आने वाले मामलों के सिवाय शब्द, कोष्ठक और अंक अन्त में जोड़े जाएंगे;

(ii) दूसरे परन्तुक में, मानकों पर आधारित नहीं है शब्दों के पश्चात्; और उपनियम (3) के अधीन आने वाले मामलों में शब्द, कोष्ठक और अंक जोड़े जाएंगे,

(ख) उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

(3) ये नियम ऐसे वायुयान को भी लागू होंगे जो संविदाकारी राज्य में रजिस्ट्रीकृत है और पट्टे, चार्टर या वायुयान की बदला-बदली या किसी ऐसे प्रचालक द्वारा जिसके कारबार का मुख्य स्थान या, यदि उसके कारबार का ऐसा स्थान नहीं है तो उसका स्थायी निवास भारत में है, किसी समरूप ठहराव के अनुसरण में प्रचालित है, परन्तु ऐसा तब जब वायुयान की रजिस्ट्री के राज्य की सरकार और भारत सरकार के बीच कन्वेंशन के अनुच्छेद 83 बिस के अनुसरण में कृत्यों और कर्तव्यों के अंतरण के बारे में कोई करार हुआ है। ऐसे वायुयान के संबंध में इन नियमों के लागू होने का विस्तार दोनों सरकारों के बीच करार के अनुसार होगा।

(4) ये नियम ऐसे वायुयान को लागू नहीं होंगे जो भारत में रजिस्ट्रीकृत हैं और पट्टे, चार्टर या वायुयान की अदला-बदली या किसी ऐसे प्रचालक द्वारा जिसके कारबार का मुख्य स्थान या, यदि उसके कारबार का कोई स्थान नहीं है तो संविदाकारी राज्य में उसका स्थायी निवास स्थान है, किसी समरूप ठहराव के अनुसरण में प्रचालित हैं, परन्तु ऐसा तब जब कन्वेंशन के अनुच्छेद 83 बिस के अनुसरण में भारत सरकार और उस संविदाकारी राज्य की सरकार के बीच कृत्यों और कर्तव्यों के अन्तरण के बारे में कोई करार किया गया है। ऐसे वायुयान के संबंध में इन नियमों के लागू न होने का विस्तार दोनों सरकारों के बीच करार के अनुसार होगा।

(2) नियम 6, नियम 9, नियम 15, नियम 38क, नियम 44, नियम 59, नियम 59क, नियम 63 और नियम 67 में निम्नलिखित टिप्पण को अन्त में जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

टिप्पण :—इस नियम के प्रयोजन के लिए, नियम 1 के उपनियम (3) के अधीन आने वाली विदेश में रजिस्ट्रीकृत वायुयान भारत में रजिस्ट्रीकृत वायुयान के रूप में समझा जाएगा और नियम 1 के उपनियम (4) के अधीन आने वाला भारत में रजिस्ट्रीकृत वायुयान ऐसे वायुयान के रूप में समझा जाएगा जो भारत में रजिस्ट्रीकृत नहीं है।

[फा० सं० एवी 11012/4/91-ए]

पी०के० बनर्जी, संयुक्त सचिव

वाद टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र भाग 1 खंड 3 में अधिमूचना सं० V-26 दिनांक 23 मार्च, 1937 के तहत दिनांक 27 मार्च, 1937 को प्रकाशित हुए थे तत्पश्चात् निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए :—

1. का०नि०आ० 1019 दिनांक 28-05-1952
2. सा०का०नि० 1238 दिनांक 08-09-1962
3. सा०का०नि० 1296 दिनांक 20-09-1962
4. सा०का०नि० 793 दिनांक 15-05-1966
5. सा०का०नि० 794 दिनांक 16-05-1966
6. सा०का०नि० 1347 दिनांक 27-11-1973
7. सा०का०नि० 1202 दिनांक 23-07-1976
8. सा०का०नि० 504 दिनांक 26-04-1980

MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd June, 1993

G.S.R. 475(E).—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government propose to make in exercise of the powers conferred by section 4 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft rules will be taken into consideration after expiry of a period of three months from the date of which the Gazette copies containing the publication of this notification are made available to the public;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Aircraft (~~—————~~Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937, —

(1) in rule (1),—

(a) in sub-rule (2),—

(i) in clause (a), the words “except cases falling under sub-rule (4)” shall be added at the end.

(ii) in the second proviso, after the figure “1944”, the words “and the cases falling under sub-rule (3)”, shall be added;

(b) after sub-rule (2), the following sub-rules shall be inserted, namely :—

“(3) These rules shall also apply to aircraft registered in a contracting State and operated pursuant to an agreement for the lease, charter or interchange of the aircraft or any similar arrangement

by an operator who has his principal place of business, or, if he has no such place of business, his permanent residence in India, provided that an agreement has been reached between the Government of the State of registry of the Aircraft and the Government of India in regard to transfer of functions and duties pursuant to Article 83 bis of the Convention. The extent of application of these rules to such aircraft shall be as per the agreement between the two Governments.

- (4) These rules shall not apply to aircraft registered in India and operated pursuant to an agreement for the lease, charter or interchange of aircraft or any similar arrangement by an operator who has his principal place of business or, if he has no such place of business, his permanent residence in a contracting State, provided that an agreement has been reached between the Government of India and the Government of that contracting state in regard to transfer of functions and duties pursuant to Article 83 bis of the Convention. The extent of non-application of these rules to such aircraft shall be as per the agreement between the two Governments”.

(2) in the rules 6, 9, 15, 38A, 44, 59, 59A, 63 and 67, the following note shall be added at the end, namely :—

“Note :—For the purpose of this rule, foreign registered aircraft falling under sub-rule (3) of rule 1 shall be deemed as aircraft registered in India and Indian registered aircraft falling under sub-rule (4) of rule 1 shall be deemed as aircraft not registered in India”.

[F. No. AV. 11012|4|91-A]

P. K. BANERJI, Jt. Secy.

FOOT NOTE

The Principal Rules were published vide notification No. V-26 dated the 23rd March, 1937 in Part I, Section 3, Gazette of India dated 27th March, 1937.

Subsequently amended by :

1. SRO 1019 dated 28-05-1952

1419 GI/93-2

-
2. GSR 1238 dated 8-09-1962
 3. GSR 1296 dated 20-09-1962
 4. GSR 793 dated 15-05-1966
 5. GSR 794 dated 16-05-1966
 6. GSR 1347 dated 27-11-1973
 7. GSR 1202 dated 23-07-1976
 8. GSR 504 dated 26-04-1980